



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

अ. ४६७] नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त २६, १९४८/भा. पर ४, १९१०

No. 457] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 26, 1948/BHADRA 4, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

चित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिनृत्त

नई दिल्ली, २६ अगस्त, १९४८

सं. २४७/४८-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.पा.वि. ४८१(अ) केन्द्रीय सरकार को समाधान हो गया है कि उपपद्धति के अनुसार जो
केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नवक अधिनियम, १९१४ (१९४४ भा. १) की धारा ३ के प्रचीन उत्पाद-शुल्क उद्घो-
षण (जिनके अन्तर्गत उसका उद्घोषण भी किया जाता है) की बाबत साधारणतया विद्यमान या, केन्द्रीय उत्पाद-

गुप्त संचित अधिनियम, 1985 (1986 का 5) को अनुसूची के उपशीर्षक सं. 2404, 90 के अन्तर्गत माने जाने पर परिष्कृत तम्बाकू के कठित तम्बाकू में परिवर्तन के अनुक्रम में उद्भूत होने वाली मर्शाल बोलत निगटों और तम्बाकू के चूरा के विनिर्माण में उपयोग के लिए कठित तम्बाकू पर उत्पाद-शुल्क फरवरी, 1986 के अक्टूबर से जून के प्रारम्भ होने वाली और जून, 1986 के तदनुसार धन समाप्त होने वाली अवधि के दौरान प्रथम वर्णित अधिनियम की उपधारा 3 के अधीन उद्भूत नहीं किया जा रहा था।

अतः, अब, केंद्रीय सरकार केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्णय देती है कि ऐसे कठित तम्बाकू और तम्बाकू के ऐसे चूरे पर उक्त अधिनियम के अधीन देय, समस्त उत्पाद-शुल्क की प्रकृति उक्त प्रवृत्ति के कारण संचाय नहीं किया जा रहा था। ऐसे कठित तम्बाकू और तम्बाकू के ऐसे चूरे की बोझ संशोधन के लिए जाने की प्रथा नहीं होती जिस पर उक्त उत्पाद-शुल्क का उक्त प्रवृत्ति के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्भूत नहीं किया गया था।

[फ. सं. 81/8/87-क. उ. 3]

एस. सी. जना, अधीन सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th August, 1988

No. 247/88-CENTRAL EXCISES

G.S.R. No. 881(E) :-Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on cut tobacco for use in the manufacture of machine-rolled cigarettes and dust of tobacco arising in the course of conversion of raw tobacco into cut tobacco, both falling under sub-heading No. 2404.90 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), was not being levied under the said section 3 of the first-mentioned Act during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 23rd day of June, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act on such cut tobacco and such dust of tobacco, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such cut tobacco and such dust of tobacco on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid, in accordance with said practice.

[F. No. 81/8/87-CX.3]

S. C. JANA, Under Secy.